भारतीय उत्पादकता प्रतिनिधिमण्डल

१४०२. **श्री रा० रा० सिंह :** क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्पादकता बढ़ाने के तरीकों के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के लिये जो भारतीय उत्पादकता शिष्टमंडल जापान भेजा गया था उस पर कितना खर्च हुआ ; और

(ख) किन किन व्यक्तियो ने अथवा निकाय ने इस खर्च का भार उठाया ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) लगभग ५६,००० रु० ।

(ख) खर्च का बड़ा भाग जापान सरकार ने कोलम्बो योजना के अधीन उठाया और एक भाग भारत सरकार ने ।

सीमेंट के कारखाने

१४०३. **श्री रा० रा० सिंह :** क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सीमेंट के उत्पादन के लिये गत वर्ष जिन ६० नई योजनाओं को स्वीकृत किया गया था, उन्हें अमल में लाने के लिये क्या कार्यवाही की गई है ; और

(ख) इन योजनाओ के अन्तर्गत सीमेंट के नये कारखाने कहां कहां स्थापित किये जायेंगे ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) १९५६ के अन्त तक जिन ६० योजनाओं के लिये लाइसेंस दिये गये थे उन में से ६,३१,००० टन वार्षिक क्षमता वाली ६ योजनाओं का उत्पादन होने लगा है या शीघ्र ही होने लगेगा । १५,४२,००० टन वार्षिक क्षमता वाली १२ अन्य योजनाओं की मशीनों और उपकरणों के आयात के लिये लाइसेंस दिये जा चुके हैं और उनका उत्पादन भी १९५८ या १९५९ में होने लगने की आशा है । दस मामलों में लाइसेंस या तो रद्द कर दिये गये हैं या किये जा रहे हैं क्योंकि उन्हें लेने वालो ने अमल मे लाने के लिये कोई कारगर कदम नहीं उठाये थे । शेष ३२ मामलों में लाइसेंस लेने वालों को मशीनों का आयात करने के लिये विलम्बित भुगतान की स्वीकृत होने योग्य शर्तें तय करा लेने की राय दी गई है ।

(ख) सदन की मेज पर एक विवरण रखा जाता है । [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या ११२]

बैटरियां

१४०४. **श्री रा० रा० सिंह :** क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विशेष प्रकार की बैटरियो के बनाने के सम्बन्ध में अब तक क्या किया गया है ;

(ख) क्या इस सम्बन्ध में कोई उपसमिति नियुक्त की गई है ;

(ग) यदि हां, तो उस समिति के सदस्यो के नाम क्या है ; और

(घ) उस समिति ने इस दिशा में अब तक क्या कदम उठाये हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) जहां तक सग्रह बैटरियों का सम्बन्ध है, मोटरों में काम आने वाली बैटरियों के अलावा नीचे लिखी विशेष किस्मों की बैटरियां देश में तैयार की जा रही हैं :—

(१) हैवी ड्यूटी बैटरियां ।

(२) रेल में रोशनी करने के काम आने वाली बैटरियां ।

(३) प्रतिरक्षा सम्बन्धी कुछ प्रकार की बैटरियां जैसे डब्ल्यू० टी० बैटरियां, एयरक्राफ्ट बैटरियां आदि ।

(४) स्टेशनरी बैटरियां ।

संग्रह बैटरियां तैयार करने वाले कुछ मौजूदा निर्माताओं को रेल में रोशनी करने के काम आने वाली बैटरियां स्टेशनरी बैटरियां और इन बैटरियों के विशेष पुर्जे बनाने के लिये उद्योग अधिनियम के अधीन लाइसेंस दिये गये हैं ।

सूखी बैटरियों के क्षेत्र में, फ्लैश लाइट के काम में आने वाली बैटरियां के अलावा नीचे लिखे विशेष किस्मों की बैटरियां वर्तमान निर्माता तैयार करते है :—

(१) रेडियो पैक बैटरियां जिनमें लेयर बिल्ट बैटरियां भी शामिल है ।

(२) सार्वजनिक रूप से प्रयोग होने वाले रेडियो सेटों के लिये रेडियो पैक बैटरियां ।

(३) सेना के काम आने वाली हाई-टैन्शन/लोटेन्शन बैटरिया ।

(४) कुछ किस्म की श्रवण-सहायक-उपकरण बैटरियां ।

(५) डाक-तार तथा रेलो के लिये सूखी बैटरियां ।

(ख) सरकार ने ऐसी कोई उपसमिति नियुक्त नही की है जिसका काम यह सलाह देना है कि विशेष प्रकार की बैटरियो के उत्पादन के लिए क्या कदम उठाये जाएं ।

(ग) तथा (घ) प्रश्न नही उठते ।

प्रशिक्षण की सुविधायें

१४०५. पंडित कृ० चं० शर्मा : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विभिन्न राज्यों में प्रशिक्षण सम्बन्धी सुविधाओ के बारे में जो जानकारी एकत्र की जाती है वह किन सूत्रों से प्राप्त की जाती है; और

(ख) इस विषय पर अब तक कितनी पुस्तकें और किन भाषाओं में प्रकाशित की जा चुकी है?

श्रम और रोजगार तथा योजना मंत्री के सभा-सचिव (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) राज्यों की प्रशिक्षण संस्थाओं से यह जानकारी प्राप्त की जाती है । नियोजन अधिकारी निश्चित फार्म पर अपने इलाके की प्रशिक्षण संस्थाओं से जानकारी प्राप्त करते है ।

(ख) प्रशिक्षण सुविधाओं की जानकारी देने वाली पुस्तक का प्रायोगिक संस्करण १९५५ में प्रकाशित हुआ था जिसमें संस्थाओं और कारखानो में काम सीखने की जानकारी दी गई है। अभी हाल ही में दूसरा संस्करण १६ भागों मे (प्रत्येक राज्य के लिये एक) प्रकाशित हुआ है । इसके अलावा एक अखिल भारतीय संस्करण भी प्रकाशित हुआ है । ये दोनो संस्करण अंग्रेजी में हैं ।

कोयला क्षेत्रों में संतति निग्रह

१४०६. पंडित कृ० चं० शर्मा : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) कोयला क्षेत्रो में संतति निग्रह को लोकप्रिय बनाने के लिये क्या किया गया है ;

(ख) क्या संतति निग्रह के साधन मुफ्त बांटे जाते है ;

(ग) यदि हां, तो कौन-कौन सी चीजें बांटी जाती हैं ;

(घ) क्या ये चीजे पुरुषों को दी जाती हैं अथवा स्त्रियों को या दोनों को ;

(ङ) जिन औरतों और आदमियों को ये चीजें दी गयी थीं, उनमें से कितनों ने अब तक इनका इस्तेमाल किया है ;

(च) स्त्रियों में संतति निग्रह का प्रचार करने के लिये कितनी महिला प्रचारिकायें कार्य करती हैं: और